भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग

प्रलिम्सि के लयि:

इलेक्ट्रकि वाहन (EV), प्रोडक्शन-लकि्ड इंसेंटवि (PLI), ऑटोमोटवि मशिन प्लान 2016-26, नेशनल इलेक्ट्रकि मोबलिटिी मशिन प्लान 2020 (NEMMP)।

मेन्स के लयि:

भारत में ऑटोमोबाइल क्षेत्र का महत्त्व।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **केंद्रीय वाणजि्य और उद्योग मंत्री** ने 62वें **ऑटोमोटवि कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसएिशन (Automotive Component Manufacturers Association-ACMA)** के वार्षकि सत्र को संबोधति कयिा।

- सत्र का वषिय **'फ्यूचर ऑफ मोबलिटिी- ट्रांस्फोर्मगि टू बी अहेड ऑफ ऑपरच्युनटिी' (Future of Mobility - Transforming to be Ahead of Opportunity)** था।
- **ACMA, भारतीय ऑटो कंपोनेंट उद्योग** के हतिों का प्रतनिधित्वि करने वाली शीर्ष संस्था है। 850 से अधकि नरि्माताओं की इसकी सदस्यता संगठति क्षेत्र में **ऑटो कंपोनेंट उद्योग के कारोबार में 85% से अधकि का योगदान** करती है।

सत्र की मुख्य वशिषताएँ:

- **इस सत्र में ऑटोमोबाइल उद्योग के लयि 5-सूत्री कार्य एजेंडा प्रस्तुत कयिा गया:**
  - वशि्व स्तर पर प्रतस्पिर्द्धी बनने और आयात पर नरि्भरता कम करने के लयि **गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रति** करना।
  - समग्र रूप से वचिार करने और खुलेपन एवं प्रतस्पिर्द्धा की भावना से दूसरों के साथ जुड़ने के लयि एक **व्यापक दृष्टकिोण** रखना।
  - **मूल्यवर्द्धन** पर बल देना।
  - अप्रतस्पिर्द्धी बाज़ार से बाहर नकिलना और उन क्षेत्रों में बाज़ार के नए अवसरों का पता लगाना जहाँ **स्वस्थ्य प्रतस्पिर्द्धा** हो।
  - उद्योग के लयि **बड़े लक्ष्य और महत्त्वाकांक्षाएँ** नरि्धारति करना।
- इसके अलावा सरकार इस बात पर बल देती है क**िऑटोमोटवि कंपोनेंट उद्योग का भवषि्य अधकि कनेक्टेड होने, सुवधिा पर ध्यान केंद्रति करने, स्वच्छ ऊर्जा और स्वच्छ गतशिीलता** की ओर उन्मुख होने तथा अत्याधुनकि तकनीक का उपयोग करने पर आधारति है।

भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग की स्थतिि:

- **परचिय:**
  - ऑटोमोबाइल उद्योग में **यात्री वाहन, वाणजि्यकि वाहन, तपिहयिा, दोपहयिा और क्वाड्रसिाइकलि सहति सभी ऑटोमोबाइल** वाहन शामलि हैं।
  - भारत का मोटर वाहन बाज़ार **वर्ष 2021 में 100 बलियिन अमेरकिी डॉलर का था जसिके पूर्वानुमान अवधि (2022-2027) पर1% की चक्रवृद्धि वार्षकि वृद्धि दर (CAGR) दर्ज** करते हुए वर्ष 2027 में 160 बलियिन अमेरकिी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है।
  - 4 मलियिन से अधकि मोटर वाहनों के औसत वार्षकि उत्पादन के साथ भारत दुनयिा में ऑटोमोबाइल का **चौथा सबसे बड़ा उत्पादक** है।
    - भारत **वशि्व का सबसे बड़ा ट्रैक्टर नरि्माता**, दूसरा सबसे बड़ा बस नरि्माता और तीसरा सबसे बड़ा भारी ट्रक नरि्माता है।
  - वर्ष 2025 तक भारत में इलेक्ट्रकि वाहनों का बाज़ार 50.000 करोड़ (7.09 अमेरकिी डॉलर) तक पहुँचने की उम्मीद है।
  - सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हस्सिेदारी: 7.1%
  - भारत के नरि्यात में हस्सिेदारी: 4.7%
- **पहल:**
  - **उत्पादन आधारति प्रोत्साहन (PLI) योजना:**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्रों में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना की घोषणा की।
- **ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिये** पीएलआई योजना (3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत) उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और ऑटोमोटिव विनिर्माण मूल्य शृंखला में निवेश आकर्षित करने हेतु 18% तक के वित्तीय प्रोत्साहन प्रस्तावित करती है।

◦ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई):
- स्वचालित मार्ग के तहत पूर्ण लाइसेंसिंग के साथ 100% तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति है। इसलिये निवेशकों के लिये भारत में अपना विनिर्माण संयंत्र/दुकान स्थापित करना आसान हो गया है।
- **ऑटोमोटिव मिशन योजना 2016-26 (एएमपी 2026):**

◦ ऑटोमोटिव मिशन योजना 2016-26 (एएमपी 2026) भारत में ऑटोमोटिव इकोसिस्टम के विकास की दिशा को रेखांकित करती है, जिसमें अनुसंधान, डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी, परीक्षण, निर्माण, आयात/निर्यात, बिक्री को नियंत्रित करने के साथ ही ऑटोमोटिव वाहनों, घटकों और सेवाओं का उपयोग, मरम्मत और पुनर्चक्रण शामिल है।

◦ नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान 2020 (NEMMP):
- एनईएमएमपी पहल **भरोसेमंद, किफायती और सक्षम एक्सईवी (हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन) को प्रोत्साहित करने** के लिये की गई है जो सरकार-उद्योग दोनों के सहयोग से उपभोक्ताओं के प्रदर्शन और कीमत संबंधी अपेक्षाओं को पूरा कर सके।

ऑटोमोबाइल उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ:

- **शेयर्ड कार:** गत 3-4 वर्षों में भारत में **ओला, उबर जैसे शेयर एप में काफी तेज़ी से वृद्धि हुई है**।
  - ये एप भारी ट्रैफिक में ड्राइविंग जैसी परेशानी के बिना यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाते हैं तथा वाहन के रखरखाव की लागत से बचाते हैं, वह भी सभी सस्ती दरों पर। इसने निश्चित रूप से स्वामित्व की अवधारणा को चुनौती दी है और इस प्रकार वाहनों की बिक्री को प्रभावित किया है।
- **टाइट क्रेडिट अवेलेबिलिटी:** देश में 80-85% वाहनों को राष्ट्रीयकृत बैंकों, निजी बैंकों या NBFC द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।
  - कार खरीदने वाले लोगों को ऋण देने में बैंक अतिरिक्त सतर्कता बरत रहे हैं।
- **इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर संक्रमण:** सरकार क्रमशः 2023 और 2025 तक आंतरिक दहन संचालित दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है।
  - यह परिवर्तन अचानक तब आया है, **जब ऑटोमोबाइल क्षेत्र की स्थिति पहले से ही विकट** है क्योंकि वाहनों की बिक्री दो दशक के निचले स्तर पर आ गई है और **रोज़गार में कमी के साथ बाज़ार की स्थिति** भी खराब हो गई है।
- **कमर्शियल वाहनों की मांग में कमी:** नए मॉडल के ट्रकों की माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि हुई है। इससे नए ट्रकों की मांग में गिरावट आई है क्योंकि उपभोक्ता अपने ट्रकों में माल ढुलाई कर सकते हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न: मैग्नेटाइट कण जो न्यूरोडीजेनेरेटिव समस्याओं का कारण बनते हैं, पर्यावरण प्रदूषक के रूप में निम्नलिखित में से किससे उत्पन्न होते हैं?

1. मोटर वाहनों के ब्रेक
2. मोटर वाहनों के इंजन
3. घरों के भीतर माइक्रोवेव स्टोव
4. बिजली संयंत्र
5. टेलीफोन लाइनें

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2, 3 और 5
(b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 3, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- चुंबकीय नैनो कण, नैनो कणों का एक वर्ग है जिसे चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करके फेरबदल किया जा सकता है। ऐसे कणों में आमतौर पर दो घटक होते हैं, पहला- चुंबकीय सामग्री, जिसमे लोहा, निकिल और कोबाल्ट शामिल है और दूसरा- रासायनिक घटक जिसमें कार्यक्षमता होती है। जब भी उपकरणों में किसी चुंबकीय घटक का उपयोग किया जाता है, तो वे चुंबकीय प्रवाह उत्पन्न करते है और चुंबकीय कण उत्पन्न करते हैं।
- ऑटोमोटिव उद्योग द्वारा वाहनों को सुरक्षित बनाने के लिये सिरेमिक या फेराइट मैग्नेट का उपयोग किया जाता है। मोटर वाहनों में इस प्रकार के चुंबकों के उपयोग से चुंबकीय कण उत्पन्न हो सकते हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- मोटर वाहनों के इंजन चुंबकीय कण उत्पन्न कर सकते हैं क्योंकि वे उच्च शक्ति वाले चुंबकों का उपयोग करते हैं जो चुंबकीय प्रवाह उत्पन्न करते

हैं। **अत: 2 कथन सही है।**

- माइक्रोवेव में चुंबकीय उत्तेजक (Stirrer) (चुंबकीय उत्तेजक एक उपकरण है जो व्यापक रूप से प्रयोगशालाओं में उपयोग किया जाता है और इसमें घूर्णन चुंबक होता है) का उपयोग किया जाता है जो चुंबकीय कण उत्पन्न कर सकता है। **अत: कथन 3 सही है।**
- विद्युत् संयंत्र राख के साथ धातु सामग्री उत्पन्न करते हैं। विद्युत् संयंत्रों में कोयले का उपयोग दहन से जुड़े मैग्नेटाइट महीन कणों का प्रमुख स्रोत है। **अत: कथन 4 सही है।**
- टेलीफोन लाइनें कम आवृत्ति, कम ऊर्जा विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र उत्पन्न करती हैं जो मैग्नेटाइट कणों के संभावित स्रोत हैं। **अत: कथन 5 सही है।**

अतः विकल्प d सही है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/automobile-industry-in-india